



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 69]  
No. 69]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 27, 1998/चैत्र 6, 1920  
NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1998/CHAITRA 6, 1920

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1998

**विषय :—यू एस ए, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, चीन जनवादी गणराज्य और बेल्जियम से ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के आयात के बारे में पाटन रोधी जांच अंतिम जांच परिणाम :**

ए डी डी/आई डब्ल्यू/43.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमा शुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, आकलन तथा वसूली एवं क्षति का निर्धारण) नियम, 1995 को देखते हुए,

**क. प्रक्रिया**

1. नीचे वर्णित जांच प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :—

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) दिनांक 9 जून, 1997 की अधिसूचना सं० ए डी डी/आई डब्ल्यू/43 के द्वारा प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित कर दिया था और इच्छुक पक्षों से निवेदन किया गया था कि वे इसके प्रकाशन की तिथि से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप से अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
- (ii) प्रारम्भिक जांच परिणाम की प्रति भेजते हुए प्राधिकारी ने सभी ज्ञात इच्छुक पक्षों से निवेदन किया था कि वे इस पत्र की तारीख से 40 दिन के भीतर प्रारम्भिक जांच परिणाम पर अपने-अपने विचार, अगर कोई हों, प्रस्तुत करें।
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारम्भिक जांच परिणामों की एक-एक प्रति यू.एस.ए., आस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, चीन जन गणराज्य और बेल्जियम के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को इस निवेदन के साथ भेजी थी कि निर्यातकों और अन्य इच्छुक पक्षों को प्रारम्भिक जांच परिणाम पर अपने-अपने विचार व्यक्त करने की सलाह दी जाए।
- (iv) प्राधिकारी ने दिनांक 24 जुलाई, 1997 को संबद्ध पक्षों के मौखिक रूप से विचार जानने के लिए मौखिक सुनवाई आयोजित की। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों से आग्रह किया गया था कि सुनवाई में मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत किया जाए। भाग लेने वाले पक्षों को सलाह दी गई थी कि विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रति लेकर उनके बारे में अपना प्रत्युत्तर प्रस्तुत करें। अनेक हितबद्ध पक्षों ने सुनवाई में भाग लिया।
- (v) इन जांच परिणामों में एनपीजी ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स को सामान्य शक्ति वाली श्रेणी के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड और उच्च शक्ति वाली श्रेणी के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड के वर्ग में रखा गया है। यू.एच.पी. ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड को अल्ट्रा उच्च शक्ति वाली श्रेणी के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड के वर्ग में रखा गया है।

- (vi) उपरोक्त नियम के नियम 16 के अनुसार जांच परिणामों के लिए विचार किये गये सभी अनिवार्य तथ्यों/आधारों की जानकारी ज्ञात संबद्ध पक्षों को दी गई थी। उस पर प्राप्त हुई टिप्पणियों पर भी जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- (vii) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षों को विभिन्न इच्छुक पक्षों द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों की सरकारी फाइल उपलब्ध करायी। उन सभी पक्षों को, जिन्होंने लिखित रूप में निरीक्षण करने के लिए अनुरोध किया था, सरकारी फाइल का निरीक्षण करने की अनुमति दी।

### (ख) याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित मुद्दों को उठाया था :—

- (क) याचिकाकर्ता ने यू एस ए एवं यूरोप से यू एच पी इलेक्ट्रोड्स का और चीन जन-गणराज्य से एन पी जी इलेक्ट्रोड्स का पाटन किए जाने की शिकायत की थी। शिकायत सभी आकार के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड से संबंधित थी।
- (ख) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं के समान हैं।
- (ग) उकार के सामान्य मूल्य का निर्धारण उकार की घरेलू बाजार में बिक्री की दर के आधार पर किया जाता है। इसकी कार्बन डाटा बैंक से प्राप्त परिणामों के आधार पर पुष्टि की गई थी।
- (घ) याचिकाकर्ता ने गोपनीय आधार पर अपनी याचिका में निर्यात मूल्य का साक्ष्य भी प्रस्तुत किया है, जो उकार द्वारा किए गए पाटन को सत्यापित करता है।
- (ङ) यूरोपीय समुदाय के सभी देशों पर शुल्क लगाया जाना चाहिए।
- (च) यूरोप में सामान्य मूल्य घरेलू बाजार में प्रचलित कीमत के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा निर्धारित किया गया था। याचिकाकर्ता ने पाटन के निर्धारण के लिए यूरोप से विश्व के बाकी हिस्सों को किए गए निर्यात की कीमतें भी प्रस्तुत कीं।
- (छ) याचिकाकर्ता ने यूरोप से निर्यात कीमत का निर्धारण एस जी एल कार्बन ए जी के बीजकों से किया था।
- (ज) चीन जन गणराज्य के मामले में याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्मित मूल्य के आधार पर किया था। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना अपर्याप्त होने के कारण प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल्य पर करना चाहिए।
- (झ) विश्व व्यापार केन्द्र द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर याचिकाकर्ता ने चीन से एन पी जी इलेक्ट्रोड्स की निर्यात कीमत का ब्यौरा प्रस्तुत किया था।
- (ञ) उत्पादन लागत में विश्व स्तर पर बढ़ोतरी के बावजूद चीन जन-गणराज्य से निर्यात कीमतें पिछले तीन से चार वर्षों में समान रही हैं।
- (ट) घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता ने प्रारम्भिक जांच परिणामों पर विश्वास किया है।
- (ठ) घरेलू विनिर्माता ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स का निर्यात अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए कर रहे हैं। कंपनियों के तुलन पत्र से सही स्थिति का पता नहीं चलता है क्योंकि कंपनियां ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की बिक्री और उत्पादन से इतर अन्य क्रियाकलापों और निर्यात क्रियाकलापों में लगी हुई हैं।
- (ड) जांच अवधि के दौरान सीमाशुल्क 40 प्रतिशत था और अब यह घटकर 22 प्रतिशत हो गया है। इसने घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।
- (ढ) टंगस्टिक ऑक्साइड और टंगस्टिक एसिड से संबंधित मामले में सन 1993 में अपने जांच परिणामों में यूरोपीय आयोग ने माना कि किसी उद्योग को इस तथ्य के बावजूद कि उसे संदर्भाधीन अवधि के दौरान अपनी लाभ प्रदत्ता में सुधार किया है, वास्तविक क्षति हो सकती है विशेषकर जबकि सुधार वास्तविक या स्थायी नहीं है और उन्नत लाभ प्रदत्त अन्य कारणों जैसे कि घरेलू उद्योग द्वारा सम्पादित निर्यातों के कारण भी हो सकती है।
- (ण) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को इस नजर से देखा जाना चाहिए कि ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स उद्योग काफी अधिक पूंजीगत परिस्थित वाला अत्यन्त उच्च पूंजीगत उद्योग है।
- (प) एन पी जी इलेक्ट्रोड्स के मामले में अपर्याप्त लाभ सीमा और वस्तुतः यू एच पी इलेक्ट्रोड्स के मामले में कोई लाभ सीमा न होने के परिणामस्वरूप टेकनोलाजी के उन्नयन के लिए संसाधनों और निम्नतम आर्थिक मानदंडों को बनाए रखने के लिए संसाधनों का अपर्याप्त सृजन रहा है।

### (ग) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. निर्यातकों और आयातकों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए हैं जो संक्षेप में निम्नानुसार हैं :—

- (क) प्राधिकारी को केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से संपर्क कर प्रमाणिक आयात के आंकड़े लेने चाहिए। उत्पादों की विविधता और व्यापकता के संदर्भ में प्राधिकारी को एकल सामान्य मूल्य और निर्यात में शामिल सभी श्रेणी के उत्पादों के निर्यात मूल्य पर विचार नहीं करना चाहिए।
- (ख) उकार के मामले में याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया निर्यात मूल्य सही नहीं है। प्राधिकारी को उकार द्वारा मुहैया कराई गई सूचना के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करना चाहिए।

- (ग) 11490 मी०टन की सकल क्षमता की तुलना में उच्च शक्ति और यू. एच. पी. इलैक्ट्रोड की मांग दिनांक 31.07.97 की स्थिति के अनुसार 9965 मी० टन थी ।
- (घ) उकार ने जांच अधि के दौरान प्रत्येक देश से भेजे गए इलेक्ट्रोड्स के आकार सहित खेप का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए यह तर्क दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा वर्ष 1995 और 1996 के दौरान किए गए लगभग 2515 मी.ट. कुल आयात मात्रा का दावा उकार द्वारा किए गए निर्यातों का लगभग दुगुना है ।
- (ङ) उत्पादन में हाथि : भारत में इस्पात की दशा अत्यंत खराब है। लगभग 183 इलेक्ट्रिक आर्क फरनेश में से 50 प्रतिशत को बंद कर दिया गया है और जो कार्यरत हैं वे 56 प्रतिशत दक्षता पर कार्य कर रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप यू. एच. पी. इलेक्ट्रोड की मांग के 20'' डायामेटर तक की गिरावट आ गयी है ।
- (च) याचिकाकर्ता यह सत्यपित नहीं कर सका है कि वे यू. एच. पी. इलेक्ट्रोड का उत्पादन कर सकते हैं और न ही उत्पादकों ने यू.एच.पी. इलेक्ट्रोड के उत्पादन के लिए तकनीकी आवश्यकता महसूस की । यह इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि भारतीय उत्पादक यू.एच.पी. इलेक्ट्रोड्स का अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विपणन नहीं कर सकते हैं ।
- (छ) भारतीय उत्पादकों को उच्च सीमाशुल्कों से अच्छा संरक्षण मिल रहा था और वे निम्न गुणवत्ता वाली वस्तुओं की आपूर्ति कर रहे थे, अपनी इच्छा से कीमतें बढ़ा रहे थे और बिक्री पश्चात् बहुत कम सेवा दे रहे थे और माल की सुपदगी में विलंब कर रहे थे। याचिकाकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं तक अपनी आसान पहुंच के लिए प्रतिपाटन शुल्क लगाने का अनुरोध किया है ।
- (ज) अंतर्राष्ट्रीय विनिर्माताओं ने अपने गुणवत्ता मानदंडों में बहुत कम अंतर रखा है जिससे एकरूपता बनी हुई है । आयातित इलेक्ट्रोड्स भारतीय उत्पाद (72'') तुलना में अधिक लंबा (110'' तक) है । भारतीय विनिर्माता छोटी लंबाई वाले इलेक्ट्रोड्स की भी बिक्री करता है । इलेक्ट्रोड्स जितना अधिक लंबा होगा वह उतना बेहतर होता है ।
- (झ) आयातित एच पी इलैक्ट्रोड्स (उकार द्वारा) का निर्माण निडल केल्सिन्ड पेट्रोलियम कोक(सी पी सी) का उपयोग करके भी किया जाता है जबकि भारतीय विनिर्माता अलग सी पी सी का उपयोग करते हैं । इसलिए प्राधिकारी का एन पी जी इलैक्ट्रोड्स को एच पी इलैक्ट्रोड्स के साथ मिलाने का निर्णय सही नहीं है । एन पी जी इलैक्ट्रोड्स और एच पी इलैक्ट्रोड्स अलग-अलग प्रक्रियाओं और कच्चे मालों का उपयोग करके बनाए जाते हैं और इसे समान वस्तुओं की तरह एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए ।
- (ञ) प्राधिकारी की यह टिप्पणी कि "समान तकनीकी प्रक्रियाओं और कच्चे मालों से विविध आकार बनते हैं" सही नहीं है । इलेक्ट्रोड का आकार विद्युत चालन क्षमता पर निर्भर करता है । इसके अलावा, विविध आकारों के रसायनिक संघटक भी समान नहीं हैं । उकार द्वारा बेचे गए इलेक्ट्रोड के परिमाण जैसे कि लंबाई निपल साइज, रसायनिक एवं भौतिक संघटक अलग-अलग हैं और इसलिए इनका परस्पर बदल के आधार पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है ।
- (ट) प्राधिकारी का यह दावा कि उकार ने विनिर्माता देश से इतर देश के मालों का निर्यात किया है, सही नहीं है । उकार ने माल का निर्यात उस देश से किया है जिस देश में वह निर्मित होता है और उसने इसे किसी भिन्न देश से परिष्कृत नहीं किया है, या निर्यात नहीं किया है ।
- (ठ) याचिकाकर्ता के क्षमता उपयोग में निम्नलिखित कारणों से कमी आयी है :—
- (i) क्षमता का विस्तार: सभी तीनों भारतीय विनिर्माताओं ने अपनी क्षमता को लगभग 23000 मी. टन (1975) से बढ़ाकर 43000 मी. टन (1996) तक कर दिया है और इसके 54000 मी. टन (1998) तक बढ़ने की उम्मीद है । साथ ही कुछ एकक अत्यधिक क्षमता के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हैं,
  - (ii) ऊर्जा की अनुपलब्धता: तीनों विनिर्माताओं ने बार-बार यह कहा है कि ऊर्जा की अनुपलब्धता से उनका उत्पादन प्रभावित हुआ है ।
  - (iii) कच्चा माल: नीडल कोक भारतीय विनिर्माताओं को उपलब्ध नहीं है जिससे उत्पादन प्रभावित होता है । यह इस तथ्य से भी सिद्ध होता है कि भारतीय विनिर्माताओं को निडल कोक का आयात जापान से करना पड़ा ।
  - (iv) भारतीय विनिर्माताओं की क्षमता उपयोगिता में कमी आने का कारण अनुमान के अनुसार उसकी आयात करने की असमर्थता है ।
  - (v) क्षमता उपयोगिता पर उत्पादन के विभिन्न चरणों में क्षमताओं में आने वाली कठिनाई के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए ।
  - (vi) जांच अधि के दौरान कुछ समयवधि के लिए श्रमिक अशांति रही;परिणाम स्वरूप जांच की गति मंद रही जिसने क्षमता के उपयोग को प्रभावित किया ।
- (घ) प्राधिकारी द्वारा जांच :—

4. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों, और अन्य हितवद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुरोधों की जांच की गई, उन पर विचार किया गया और जहां उपयुक्त समझा गया उन पर आगे कार्यावाई की गयी है ।

#### (ख) विचाराधीन उत्पाद समान वस्तुएं और घरेलू उद्योग

5. नियम 2 (घ) के तहत "के समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु से है जो भारत में डम्प की गई वस्तु, जिसकी जांच की जा रही है, उस वस्तु के हर तरह से समरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में ऐसी अन्य वस्तु जो यद्यपि हर तरह से समान नहीं है, लेकिन जांच की जा रही वस्तु से बहुत मिलती-जुलती विशेषताएं रखती है ।

6. इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत तर्क और प्रधिकारी के विचार निम्नानुसार हैं :—

दिए गए तर्क:

- (क) तीन प्रकार के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स हैं यथा एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स, यू एच पी इलेक्ट्रोड्स, और हाई पावर इलेक्ट्रोड्स प्रधिकारी द्वारा हाई पावर को एन. पी. जी. इलेक्ट्रोड्स के साथ जोड़ा जाना अनुचित है क्योंकि दोनों कुछ तकनीकी प्राचल (पैरामीटर) के संबंध में भिन्न हैं लियोनिंग मिन्नेटल्स ने तर्क दिया है कि उनके हाई पावर इलेक्ट्रोड्स भारतीय उद्योग के एन.पी.जी. के समतुल्य हैं। निर्यातक ने आगे तर्क दिया है कि उपभोग के मामले में इसके एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स भारतीय एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स से भिन्न हैं। निर्यातकों ने दावा किया कि उसके एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स का उपभोग भारतीय एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स के उपभोग की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है।

प्राधिकारी का विचार :—

वास्तव में उपरोक्त विवाद यह प्रमाणित करता है कि हाई पावर इलेक्ट्रोड्स एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स का ही एक रूप है यद्यपि चीन जनवादी गणराज्य से आयातित और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स कुछ तकनीकी प्राचलों (पैरामीटरों) के संबंध में भिन्न हैं, दोनों अन्तर्बदल से उपभोग किए जाते हैं और दोनों ही कार्य और उपभोग, विनिर्माण तकनीक, मूल्य-अंकन, वितरण और विपणन और टैरिफ वर्गीकरण में समान हैं इसके अतिरिक्त, लियोनिंग मिन्नेटल्स ने स्वयं स्वीकार किया है कि उसका हाई पावर भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित एन.पी. जी. इलेक्ट्रोड्स के जैसा ही है। प्राधिकारी आगे उल्लेख करते हैं कि निर्यातक स्वयं हाई पावर के उत्पादन के लिए अपनी लागत भेजने का इच्छुक था। निर्यातक ने हाई पावर इलेक्ट्रोड्स के उत्पादन की लागत नहीं भेजी है।

दिए गये तर्क:—

- (ख) इंजीनियर्स इंटरनेशनल ने यह प्रमाणित करने के लिए मै. सनफलेग आयरन एंड स्टील लि० के एक पत्र के रूप में साक्ष्य प्रस्तुत किया कि उकार द्वारा उत्पादित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स के समान वस्तु नहीं है। उकार के इलेक्ट्रोड्स के विषय में पत्र कहता है कि इलेक्ट्रोड के निम्न की लम्बाई मौजूदा निम्न से 50 मि०मी० अधिक है और इसलिए इन इलेक्ट्रोडों (उकार द्वारा उत्पादित) को मौजूदा इलेक्ट्रोडों के साथ काम में नहीं लाया जा सकता।

प्राधिकारी का विचार :—

प्राधिकारी मानते हैं कि प्रस्तुत साक्ष्य वास्तव में याचिकाकर्ता का यह दावा सिद्ध करता है कि उपभोक्ताओं ने विदेशी और भारतीय उत्पादों के बीच अपनी जरूरतों को बदला है यहाँ तक कि अगर इन देशों से आयातित माल और/अथवा भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित माल को उपभोग से पूर्व थोड़े से संशोधन/परिवर्तन की जरूरत रहती है जैसा कि मै. सनफलेग आयरन एंड स्टील लि० के पत्र से प्रकट होता है, तब भी प्रतिस्थापन की जांच सिद्ध नहीं होती है।

7. पाटन की जांच के लिए जिन विचाराधीन उत्पादों को प्रारंभिक निष्कर्षों में परिभाषित किया गया है उनमें निम्नलिखित दो प्रकार के ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स हैं :—

\*अल्ट्रा हाई पावर ग्रेड ग्रेफाइट (जिसका उल्लेख यू. एच. पी. के रूप में किया गया है)

\*नार्मल पावर ग्रेड ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स जिसमें इसके रूपान्तरण, हाई पावर ग्रेड ( एन.पी.जी. के रूप में उल्लिखित) शामिल हैं।

8. यह प्रमाणित करने के उद्देश्य से कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स संबंध देशों से निर्यातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की तुलना में समान वस्तु है। प्राधिकारी ने माल की भौतिक विशेषताओं (आकार, रासायनिक मिश्रण, कच्चा माल) विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी कार्य और उपभोग, उत्पाद विनिर्देशन, मूल्य अंकन, वितरण और विपणन और टैरिफ वर्गीकरण का ध्यान रखा।
9. प्राधिकारी ने समान वस्तु की जांच में संतुष्टि के लिए चीन जनवादी गणराज्य को छोड़कर संबंध देशों से यू. एच. पी. ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की विशेषताओं की तुलना घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित यू. एच. पी. ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की विशेषताओं के साथ की है। इसी तरह प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एन.पी.जी. ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की विशेषताओं की तुलना चीन जनवादी गणराज्य के एन.पी.जी. ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की विशेषताओं के साथ की है।
10. प्राधिकारी इस बात को नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स को विशेषताएं संबंध देशों से निर्यातित ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड्स की विशेषताओं से बहुत मिलती जुलती है, हालांकि कुछ कारक एक जैसे नहीं हैं।
11. प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 5 से 9 तक की पुष्टि करते हैं और इस बात की पुष्टि करते हैं कि उपरोक्त नियमों के अर्थ में चीनी जनवादी गणराज्य से निर्यातित एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एन.पी.जी. इलेक्ट्रोड्स एक समान वस्तु है और चीन जनवादी गणराज्य को छोड़कर संबंध देशों से निर्यातित यू. एच. पी. इलेक्ट्रोड्स की तुलना में घरेलू द्वारा उत्पादित यू. एच. पी. इलेक्ट्रोड्स एक समान वस्तु है।

(च) पाटन

12. धारा 9क (1) (ग) के अन्तर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :—

(1) व्यापार के सामान्य क्रम में समान वस्तु के लिए तुलनात्मक मूल्य, जब वह निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र में उपभोग के लिए हो, जैसा कि उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार इसका निर्धारण किया गया है, या

- (II) जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार के सामान्य क्रम में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो, या जब किसी विशेष बाजार स्थिति के कारण अथवा निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में कम बिक्री के कारण ऐसी बिक्रियों की उपयुक्त तुलना की गुंजाइश नहीं हो तब सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :
- (क) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य, जब इसका निर्यात निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए, या
- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत जिसमें प्रशासनिक लागत, बिक्री लागत तथा सामान्य तथा लाभ के लिए उचित राशि जोड़ी गई हो इसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बताए गए नियमों के अनुसार किया जाता है।
- बशर्ते कि उद्गम वाले देश से इतर किसी अन्य देश से उक्त वस्तु के आयात के मामले में जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से केवल जहाज से भेजा गया है या ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात वाले देश में नहीं होता है या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं है तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

13. हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्क और प्राधिकारी द्वारा की गई उनकी जांच का विवरण नीचे दिया गया है :

#### पाटन के बारे में

मैसर्स हिन्दुस्तान प्रोड्यूस कंपनी ने लिखा कि यद्यपि उनके द्वारा उठाए गए सभी तर्कों को प्रारम्भिक जांच-परिणामों में शामिल किया गया, लेकिन न तो उनका नाम और न ही जिस निर्यातक ने उनका प्रतिनिधित्व किया (मैसर्स चेंगदु मशीनरी मेटल्स एंड मिनरल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपो.) को प्रारम्भिक जांच परिणामों में शामिल किया गया है।

#### प्राधिकारी का विचार :

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि न तो हिन्दुस्तान प्रोड्यूस कम्पनी और न ही इसके प्रमुखों ने प्राधिकारी द्वारा भेजे गए निर्यातकों की प्रश्नावली का कोई उत्तर दिया है। चूंकि निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना प्रस्तुत नहीं की है, इसलिए प्राधिकारी ने निर्यातक के मामले में अलग-अलग पाटनसीमा का निर्धारण नहीं किया है।

#### लाइनिंग मिनमेटल्स :

लाइनिंग मिनमेटल्स ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :—

- (क) चीन में निर्यात औ आयात क्रियाकलाप मुख्यतः विदेश व्यापार उद्यमों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं जबकि विनिर्माता घरेलू बाजार को आपूर्ति करते हैं। इसलिए निर्यातक ने उन वस्तुओं का निर्यात किया है जिनका उत्पादन मैसर्स तियानजीन जिंघाई कार्बन प्लांट द्वारा किया गया था ;
- (ख) निर्यातक ने एन पी जी इलेक्ट्रोड का भारत में पाटन नहीं किया, न ही निर्यात कीमत उत्पादन लागत से ज्यादा है।
- (ग) प्राधिकारी द्वारा अनुमानित उत्पादन लागत सही नहीं है। उत्पादन लागत उर्जा, कैल्साइन्ड पेट्रोलियम कोक और कोलतार पिच जैसी प्रमुख निविष्टियों की लागत पर निर्भर करती है जोकि चीन में पर्याप्त मात्रा में और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर उपलब्ध है।
- (घ) अगर निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना में कोई भी कमियां थीं तो निर्यातक को इसे स्पष्ट करने के लिए कहा जाना चाहिए था।
- (ङ) निर्यातक ने प्रति-पाटन शुल्क लगाए जाने की स्थिति में कीमत वचनबद्धता देने की पेशकश की।

#### प्राधिकारी का विचार

प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि निर्यातक ने वह पूरी सूचना नहीं भेजी है जो प्राधिकारी ने मांगी थी। निर्यातक का यह तर्क कि प्राधिकारी निर्यातक से अतिरिक्त सूचना मांग सकता है, स्वीकार्य नहीं है क्योंकि निर्यातक के लिए यह अनिवार्य है कि वह प्राधिकारी द्वारा मांगी गयी सूचना निर्धारित प्रपत्र में एवं तरीके से प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गयी समय-सीमा के भीतर उसको भेजे। इसलिए प्राधिकारी लियाओनिंग मिनमेटल्स के बारे में भी डंपिंग मार्जिन का निर्धारण चीन जनवादी गणराज्य के लिए निर्धारित उत्पादन लागत के आधार पर ही करना उचित समझता है।

निर्यातक द्वारा मूल्य की वचनबद्धता देने की इच्छा के बारे में प्राधिकारी का मानना है कि निर्यातक ने मूल्य की वचनबद्धता की पेशकश करने की इच्छा मात्र जाहिर की थी और उसने उन मूल्यों के बारे में कोई पेशकश नहीं की थी जिन पर वह भारत को अपने माल का निर्यात करने का इच्छुक था। चूंकि जिन मूल्यों पर निर्यातक निर्यात करना चाहता है वह मूल्य की वचनबद्धता पर विचार करने का आधार बनता है इसलिए मूल्य की वचनबद्धता के विकल्प का प्राधिकारी ने पता नहीं लगाया है।

#### (III) यूरोपीय संघ

यूरोपीय संघ ने जो विचार व्यक्त किए हैं, उनमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्न विचार शामिल हैं :—

##### (क) दिए गए तर्क

बेल्जियम, इटली, फ्रांस, स्पेन और आस्ट्रिया से किए गए कथित पाटित आयातों के बारे में कोई विशिष्ट निष्कर्ष नहीं निकाले गए हैं। इन देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण करने का जो आधार है, वह प्रारंभिक निष्कर्षों से स्पष्ट नहीं होता है।

### प्राधिकारी का विचार

प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के बारे में विस्तृत विधि दी है। उकार द्वारा इन देशों से किए गए निर्यातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण यू. एस. ए. में सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है। इन देशों से एस जीएल कार्बन द्वारा किए गए निर्यातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण जर्मनी के धरेलू बाजार में प्रचलित एसजी एल कार्बन के मूल्यों के आधार पर किया गया है। इन दोनों निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनायी गयी विस्तृत विधि का ब्यौरा इन निष्कर्षों और प्रारंभिक जांच परिणामों में दिया गया है।

### (ख) दिए गए तर्क

इटली के मामले में डंपिंग मार्जिन "शून्य" निर्धारित किया गया है जबकि प्राधिकारी ने इटली से किए गए आयातों पर भी पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति की है।

### प्राधिकारी का विचार

यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने इटली के मामले में प्रारंभिक निष्कर्षों में डंपिंग मार्जिन "शून्य" निर्धारित नहीं किया है। इस स्थिति को स्पष्ट करने के लिए प्राधिकारी ने 8 जुलाई 1997 को एक शुद्धि-पत्र जारी किया था जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था। इटली के मामले में प्रारंभिक निष्कर्षों में डंपिंग मार्जिन 60% निर्धारित किया गया था।

### (IV) उकार इंक

उकार इंटरनेशनल इंक ने मैसर्स इंजीनियर्स इन्टर-नेशनल को अपनी ओर से बैठक में भाग लेने के लिए प्राधिकृत किया था। लेकिन उसने प्राधिकारी को सीधे सूचना प्रस्तुत करने के अपने अधिकार को सुरक्षित रखा।

### (क) दिए गए तर्क

प्राधिकारी का यह तर्क कि उकार ने सामान का निर्यात मूल देश से भिन्न किसी अन्य देश से किया है, गलत है। उकार ने सामान का निर्यात उस देश से किया है जहां, इसका उत्पादन किया जाता है और इसे बदला नहीं गया है अथवा किसी भिन्न देश से निर्यात नहीं किया गया है।

### प्राधिकारी का विचार

प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 15 में प्राधिकारी के यह निष्कर्ष नियमानुसार है कि यद्यपि उकार ने अपने किसी संयंत्र में इलैक्ट्रोड्स का उत्पादन किया हो, तथापि इसके द्वारा भारत को निर्यात यू. एस. ए. से किए गए हैं। प्राधिकारी को डंपिंग की मौजूदगी का पता लगाने के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य निर्धारित करने की जरूरत है। सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त धारा के अनुसार किया जाना होता है। सामान्य मूल्य "निर्यातक देश" में तुलनीय मूल्य है। इसलिए प्राधिकारी को उस देश के बारे में अपने निष्कर्ष देने की जरूरत है जिस पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए निर्यातक देश के रूप में विचार किया गया है। वर्तमान मामले में चुंकि बिक्री यू. एस. ए. से की गयी है और उकार ने विभिन्न देशों से किए गए निर्यात के बारे में न तो सूचना प्रस्तुत की है और न ही प्रत्येक संबंधित देश के लिए अलग से सामान्य मूल्य का दावा किया है, इसलिए प्राधिकारी ने यू. एस. ए. के निर्यातक के सामान्य मूल्य को उन सभी देशों का सामान्य मूल्य माना है जिससे उकार ने सामान का निर्यात किया है। यू. एस. ए. में प्रचलित कीमतों के संदर्भ में सामान्य मूल्य के निर्धारण का तात्पर्य यह नहीं है कि यू. एस. ए. के निर्यातक द्वारा कुछ परिवर्तन किया गया है अथवा भारत को उन सामानों का निर्यात नहीं किया गया है जिन्हें मूल देश में उत्पादित किया गया था।

निर्यात मूल्य के बारे में प्राधिकारी का मानना है कि इंजीनियर्स इन्टरनेशनल ने उकार की ओर से किए गए निर्यातों की मात्रा और विभिन्न देशों से इसके द्वारा किए गए इलैक्ट्रोड के आकारों की सूचना दी है। तथापि, निर्यातक ने विभिन्न देशों से उसके द्वारा किए गए निर्यातों के विभिन्न आकारों के निर्यात मूल्य नहीं दिए हैं। इसलिए, इंजीनियर्स इन्टरनेशनल द्वारा प्रदत्त सूचना पर इलैक्ट्रोड के आकार के संदर्भ में पाटन के निर्धारण के लिए विश्वास नहीं किया जा सकता है। तथापि यह सूचना धरेलू उद्योग से हुई क्षति की सीमा का निर्धारण करने के लिए उपलब्ध सीमा तक आयातकों द्वारा दी गई सूचना से आपस में जुड़ी हुई है।

### (V) अन्य मुद्दे

प्राधिकारी ने सी बी ई सी द्वारा आयात के आंकड़े प्रस्तुत न करने के बारे में यह विचार व्यक्त किया है कि निर्यात की मात्रा एवं मूल्यों के बारे में सूचना देने की प्रारंभिक जिम्मेदारी निर्यातकों की बनती है। संबंधित ज्ञात निर्यातक एवं संबंधित देशों के दूतावासों को भी प्राधिकारी ने जांच के बारे में सूचना दी थी और उनसे अनुरोध किया था कि वे संगत सूचना उपलब्ध कराएं। इसके अलावा, आयातकों से अन्य बातों के साथ-साथ यह भी अनुरोध किया गया था कि वे किए गए अपने आयातों के बारे में ब्यौरा प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने निर्यातकों एवं आयातकों द्वारा प्रस्तुत की गयी सूचना पर उस सीमा तक विश्वास किया जहां तक आवश्यक एवं व्यवहार्य था। अतः प्राधिकारी के पास भारत में ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड के आयातों के बारे में सूचना उपलब्ध है। सी बी ई सी से कोई सूचना न मिलने का आशय यह नहीं है कि प्राधिकारी के पास उचित और निष्पक्ष निर्णय पर पहुँचने के लिए पर्याप्त सूचना उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, हितबद्ध पार्टियों का तर्क इस सीमा तक वस्तुतः सही नहीं है कि प्राधिकारी ने सभी किस्म के ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स के लिए समान निर्यात मूल्य और/अथवा सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया है। प्राधिकारी ने जांच के अधीन प्रत्येक देश के लिए एन पी जी एवं यू एच पी इलैक्ट्रोड्स के बारे में अलग से सामान्य मूल्य और डंपिंग मार्जिन का निर्धारण किया है।

13. पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के निर्धारण के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं। डंपिंग मार्जिन निम्नानुसार निकलता है :—

क्रम सं.	निर्यातक देश का नाम	डॉपिंग मार्जिन (निर्यात मूल्य का %)
1.	उत्तर इन्क. यू. एस. ए.	45%
2.	जर्मनी से निर्यात के मामले में एस जी एल कार्बन जर्मनी	57%
3.	चीन जनवादी गणराज्य से निर्यात के मामले में क. लियानिंग मेटल्स एण्ड मिनेरल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो. ख. चाइना नेशनल गॉन कैरस मैटल 1/ई. कार्पो.	75% 70%
4.	फ्रांस	93%
5.	इटली	60%
6.	ऑस्ट्रिया	88%
7.	स्पेन	56%
8.	बेल्जियम	43%

## (छ) क्षति

14. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क एवं प्राधिकारी द्वारा की गयी इसकी जांच का ब्यौरा निम्नानुसार है :—

## दिए गए तर्क

(क) प्रारंभिक निष्कर्ष भारतीय उद्योग को लाभप्रदता के बारे में विशिष्ट तथ्य उजागर नहीं करते हैं। एच पी सी एवं यू एच पी इलैक्ट्रोड्स दोनों के लिए घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री मूल्यों में की गयी वृद्धि के सम्बन्ध में यह स्पष्टता प्रदान करता है कि बिक्री में 5% की मामूली सी गिरावट से भारतीय घाटा अपना स्तरीय में घटता हो सकता है।

(ख) उत्पादन, बिक्री मूल्यों में वृद्धि और बिक्री मात्रा में मामूली गिरावट को देखते हुए वास्तविक क्षति के बारे में दिया गया निष्कर्ष विश्वसनीय नहीं है। वास्तविक क्षति होने के खतरे के बारे में दिया गया निष्कर्ष कल्पना/सूचना संभावना पर आधारित प्रतीत होता है और इसके समर्थन में कोई आंकड़े नहीं दिए गए हैं।

## उपरोक्त (क) तथा (ख) के बारे में प्राधिकारी के विचार

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में विस्तृत निष्कर्ष दिया है। प्रारंभिक निष्कर्षों में उन कारकों को भी उजागर किया गया है जिनके आधार पर वास्तविक क्षति के खतरे का आकलन किया गया है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में जो निष्कर्ष दिया गया है वह उन सभी कारकों पर आधारित है जो घरेलू उद्योग को संचयी/सामूहिक रूप से प्रभावित करते हैं।

## दिए गए तर्क

(ग) भारतीय उद्योग ने जांच अवधि के दौरान 20" इलैक्ट्रोड की कीमतों को 90000 पी एम टी से बढ़ाकर 116000 पी एम टी तक किया। कोई भी उत्पादक जिस पर आयात का खतरा है, वह कीमतों को बढ़ाने का जोखिम नहीं ले सकता है और वास्तव में वह कीमतों में काफी कमी करेगा।

(घ) यह एक सामान्य व्यापार प्रक्रिया है कि ऐसे बाजार पर पकड़ बनाने के लिए निर्यातक घरेलू बाजार में निर्यात बाजार से ज्यादा कीमत पर बिक्री करता है।

## उपर्युक्त (ग) तथा (घ) के बारे में प्राधिकारी के विचार :—

यह तर्क वास्तव में ऐसे निर्यातक द्वारा पाटन किए जाने के तथ्य की स्वीकृति है। ऐसे पाटन के कारण अप्रासंगिक हैं। यद्यपि याचिकाकर्ता कंपनियों ने अपनी कीमतें बढ़ाई, लेकिन वे उत्पादन लागत में वृद्धि को देखते हुए बढ़ाई थीं। याचिकाकर्ता कंपनियों की बिक्री कीमतों में वृद्धि को याचिकाकर्ता कंपनियों के बाजार हिस्से में कमी के संदर्भ में देखा जाना है। जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में देखा गया कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तेजी से गिरावट आई जो 99% (1992-93) से 72.58 (1995-96) हो गई। जबकि उसमें तेज वृद्धि 0.96% (1992-93) से 27.42% (1995-96) की हुई।

(ङ.) इस प्रारंभिक जांच-परिणाम पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग को हानि उठा कर यू एच पी इलैक्ट्रोड की बिक्री करने के लिए मजबूत होना पड़ा तथा इस तथ्य पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग यू एच पी इलैक्ट्रोड का निर्यात घरेलू बाजार में उसकी कीमतों से कम कीमत पर कर रहा था, इससे भारतीय उद्योग को निर्यातों पर भी काफी हानि उठानी पड़ेगी। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता कंपनियों के उत्पादन में यू एस पी इलैक्ट्रोड का हिस्सा लगातार रूप से नहीं बढ़ेगा। इसके साथ-साथ चूंकि भारतीय उद्योग को एन पी जी इलैक्ट्रोड से लाभ हो रहा है (जैसा कि प्रारंभिक जांच-परिणामों में प्राधिकारी ने देखा) इसलिए एन पी जी इलैक्ट्रोड का हिस्सा बढ़ गया होता।

## प्राधिकारी का विचार :—

उत्पादन लागत पर विचार किए बिना निर्यात की लाभ प्रदता की तुलना भारतीय कंपनियों द्वारा घरेलू बाजार में यू एच पी इलैक्ट्रोड द्वारा की गई बिक्री की कीमतों के साथ करके आकलन करना गलत होगा। प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि भारतीय उद्योग की उत्पादन लागत

निर्यात के लिए उत्पादित इलैक्ट्रोड से तुलनात्मक रूप से कम है क्योंकि निर्यात के मानले में भारतीय कंपनियों को कुछ लागत संबंधी लाभ थे। तथापि, प्राधिकारी ने निर्यात के लिए याचिकाकर्ता कंपनियों की लाभ प्रदत्ता की जांच नहीं की है, क्योंकि यह वर्तमान जांच के दायरे से बाहर है।

दिए गए तर्क :

(घ) यू एच पी इलैक्ट्रोड का कुल आयात देश में इलैक्ट्रोड के कुल उत्पादन का 3.5% बैठता है।

प्राधिकारी का विचार :

यू एच पी इलैक्ट्रोड के आयात की तुलना भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित इलैक्ट्रोड के कुल उत्पादन के साथ करना अनुचित है। संदर्भाधीन देशों से भारत में इलैक्ट्रोड का कुल आयात भारत में इलैक्ट्रोड की कुल खपत के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 41 में दिया गया है।

दिए गए तर्क :

(ङ) प्रारंभिक जांच परिणाम से यह पता चलता है कि भारतीय उद्योग को एन पी जी इलैक्ट्रोड की बिक्री से लाभ होता था (तथा, इस प्रकार, एन पी जी इलैक्ट्रोड से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं है।)

प्राधिकारी का विचार :—

प्राधिकारी यह समझते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को एन पी जी की बिक्री से लाभ हो रहा था। घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, यह निर्णय करने के लिए घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि होना कोई पूर्व अपेक्षा नहीं है। प्रारंभिक जांच-परिणाम में जो भी तथ्य सामूहिक और संचयी रूप से सामने लाए गए हैं, उनमें यह प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और चीन जनवादी गणराज्य से एन पी जी इलैक्ट्रोड के आयात से वास्तविक क्षति की आशंका है।

दिए गए तर्क :—

(च) घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस के बंद होने से हुई है।

प्राधिकारी का विचार :—

हितबद्ध पक्षों के इस दावे पर विवाद नहीं है कि भारत में इस्पात उत्पादन में कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रैफाइट इलैक्ट्रोड की मांग पहले से कम हुई है। किन्तु प्राधिकारी ने क्षति के बारे में अपने जांच परिणाम अन्य बातों के साथ-साथ संदर्भाधीन देशों एवं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के आधार पर दिए हैं, जिसमें मांग में हुए परिवर्तन पर ध्यान दिया गया है।

दिए गए तर्क :—

(झ) क्षति की मात्रा का पता नहीं लगाया गया है और यह मान लिया गया है कि भारत में पहुंच कीमत और बिक्री-मूल्य के बीच का अंतर आयात द्वारा हुई क्षति की मात्रा को प्रदर्शित करेगा। वास्तविक क्षति की पूर्व घोषणा ऐसे काल्पनिक अनुभाग के आधार पर तब तक नहीं की जा सकती जब तक कार्य और कारण के बीच संबंध स्थापित नहीं हो जाता। इसके अतिरिक्त यदि शुल्क लागू करने का विचार किया जाता है तो वह इस सीमा तक होना चाहिए जहां तक कि आयात कीमतें सामान्य मूल्य को प्रदर्शित करती हैं, अर्थात् सामान्य मूल्य में से पहुंच कीमत घटाकर बचे शेष के बराबर पाटनरोधी शुल्क होना चाहिए, जिसकी प्राधिकारी को सिफारिश करनी चाहिए।

प्राधिकारी का विचार :—

प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत (घरेलू उद्योग के लिए) और आयातों की पहुंच कीमत के बीच के अंतर के रूप में घरेलू उद्योग को क्षति की सीमा का सुसंगत ढंग से पता लगाया है। क्षति की सीमा का मूल्यांकन करने के लिए सामान्य मूल्य का आयातों की पहुंच कीमत के साथ सह-संबंध विधि सम्मत नहीं है।

15. लियोनिंग मिनमेटल्स के इस तर्क के संबंध में कि इसके एन पी जी इलैक्ट्रोड्स की खपत 20 प्रतिशत अधिक थी, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह क्षति की मात्रा का निर्धारण करने के लिए संगत है। प्राधिकारी आगे यही नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने लियोनिंग मिनमेटल्स के दावे को अस्वीकार नहीं किया है। हालांकि उक्त तर्क से यह सिद्ध नहीं होता है कि याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित माल लियोनिंग मिनमेटल्स द्वारा निर्यातित माल के समान वस्तु नहीं है, तथापि भारतीय इलैक्ट्रोड्स से तुलना करते समय अपेक्षाकृत अधिक खपत के कारण कीमत समायोजन की अनुमति देना आवश्यक होगा।

16. यह तर्क कि याचिकाकर्ता यू एच पी इलैक्ट्रोड्स का निर्माण नहीं कर सकता, अप्रमाणिक और गुण व गुण रहित है, क्योंकि याचिकाकर्ता कंपनियां ऐसे इलैक्ट्रोड्स का निर्माण करती हैं जो न केवल भारतीय बाजार में अपितु विदेशों में भी यू० एच० पी० इलैक्ट्रोड्स के रूप में बेचे जा रहे हैं।

17. घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्ष घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले किसी भी एक मापदंड जैसे-निर्माण, बिक्री, स्टॉक आदि पर आधारित नहीं है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्ष में बहुत ही स्पष्ट तौर पर माना है कि घरेलू उद्योग संबंधी अनेक संकेतक सामूहिक और संचयी रूप से यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। चूंकि, एक से अधिक देशों से किए गए आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है, इसलिए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी मूल्यांकन नियमावली के अनुबंध II में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुसार इन देशों से किए गए आयातों के आधार पर किया गया है। हितबद्ध पार्टियों के इस तर्क कि उत्पादन या क्षमता-उपयोग में विद्युत अथवा कच्ची सामग्री सी पी सी की अनुपलब्धता या उत्पादन में अंतरों या निर्यात अनुमानों को पूरा करने की असमर्थता के कारण कमी हुई है, से यह सिद्ध नहीं होता कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई



है।

ज. कार्य-कारण संबंध :—

18. यह सिद्ध करने में कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा :—

(i) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी संबद्ध देशों से आयातों के प्रत्यक्ष परिणामों के कारण आयी थी ;

(ii) संबद्ध देशों से आयातों के फलस्वरूप भारतीय बाजार में अत्यधिक कीमत वचनबद्धता का उद्भव हुआ।

(iii) संबद्ध देशों से आयातों के फलस्वरूप भारतीय उद्योग को अपनी कीमत वृद्धि की प्रतिपाटित से अपवर्जित करते हुए भारतीय बाजार में कीमतों में अत्यधिक गिरावट आयी।

(झ) अन्तिम जांच परिणाम

19. उपर्युक्त के आधार पर अधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :—

\* चीन जनवादी गणराज्य के उद्गम वाले या वहां से निर्यातित एन पी जी इलैक्ट्रोड तथा यू एस ए, आस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और बेल्जियम के उद्गम वाले या वहां से निर्यातित यू एच पी इलैक्ट्रोड का इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत में निर्यात किया गया ;

\* घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ;

\* संदर्भाधीन देशों के उद्गम वाले या वहां से निर्यातित निर्यातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

20. प्राधिकारी प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने के बारे में प्रारम्भिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं और चीन जनवादी गणराज्य के उद्गम वाले या वहां से निर्यात किए गए एन पी जी ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड (इसके रूपान्तर हाई पावर सहित) और यू एस. ए., आस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और बेल्जियम के उद्गम वाले या वहां से निर्यातित यू एच पी इलैक्ट्रोड के सभी आयातों पर नीचे बताई गई निश्चित दरों पर प्रतिपाटन शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं :

क्रम सं.	जिस देश में उत्पादित या जहां से निर्यातित उत्पाद	निर्यातक/देश का नाम	इलैक्ट्रोड का आकार	शुल्क की मात्रा (रु प्रति मी. टन)
1.	यूएसए, जर्मनी, फ्रांस, इटली, आस्ट्रिया, स्पेन, बेल्जियम या चीन जनवादी गणराज्य	कोई निर्यातक	26" से 30" का और इसके बीच का	शून्य
सामान्य क्षमता वाले ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स के मामले में (उच्च क्षमता सहित)				
2.	चीन जनवादी गणराज्य	(क) लियोनिंग मेटलस एंड मिनरल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन	24" तक के सभी आकार वाले	5517
		(ख) चीन नेशनल नान फैरस मेटल्स आई/ई कारपोरेशन		13114
		(ग) अन्य कोई निर्यातक		20818
उच्च क्षमता-वाले ग्रेफाइट इलैक्ट्रोड्स के मामले में				
3.	यू एस ए	(क) उकार इंक	24" तक का	20714
		(ख) उपर्युक्त को छोड़कर अन्य निर्यातक	24" तक का	20714
4.	जर्मनी	(क) एस जी एल कार्बन ए जी	24"	10337
			22" तक का	22235
		(ख) उपर्युक्त के अलावा अन्य निर्यातक	24"	10337
			22" तक का	22235
5.	फ्रांस	कोई निर्यातक	24" तक का	30997
6.	इटली	कोई निर्यातक	24" तक का	22947
7.	आस्ट्रिया	कोई निर्यातक	24" तक का	28649
8.	स्पेन	कोई निर्यातक	24" तक का	18427
9.	बेल्जियम	कोई निर्यातक	24" तक का	18220

उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी दिनांक 9-6-1997 के प्रारम्भिक जांच-परिणाम की पुष्टि करते हैं।

इस आदेश के विरुद्ध अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, आबकारी और स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के पास दायर की जाएगी।

रति विनय झा, निर्दिष्ट अधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th March, 1998

**FINAL FINDINGS**

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of graphite electrodes from USA, Austria, France, Germany, Italy, Spain, China PR and Belgium- Final Findings

ADD/IW/43—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

1. The Procedure described below has been followed:
  - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide Notification no. ADD/IW/43 dated the 9th June, 1997 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
  - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of USA, Austria, France, Germany, Italy, Spain, China PR and Belgium in New Delhi with a request that the exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings;
  - iv) The Authority held an oral hearing on 24th July 1997 to hear views orally. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rebuttals. A number of interested parties attended the hearing.
  - v) NPG graphite electrodes in these findings refers to normal power grade graphite electrodes and high power grade graphite electrodes. UHP graphite electrodes refers to ultra high power grade graphite electrodes.
  - vi) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings;

- vii) The Authority made available the public file to the interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted to the Authority by various interested parties. All parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;

**B. PETITIONER'S VIEWS**

2. The petitioner raised the following arguments:
- a) The petitioner complained of dumping of UHP electrodes from USA and Europe and NPG electrodes from China PR. The complaint was for all size of graphite electrodes;
  - b) The goods produced by the domestic industry are similar to the goods imported from the subject countries;
  - c) Normal value of Ucar is established by the quotations of Ucar for sale in the home market. The same was supplemented by the extracts from Carbon Data Bank;
  - d) The petitioner furnished evidence of export price also in its petition, on confidential basis, which established dumping by Ucar;
  - e) All countries within the European community should be covered in the imposition of duty;
  - f) Normal value in Europe was established by the petitioner based on the prices prevailing in the home market. The petitioner submitted the export price from Europe to the rest of world also to establish dumping;
  - g) The export price from Europe was established by the petitioner from invoices of SGL Carbon AG;
  - h) In case of China PR, the petitioner established normal value based on constructed value. The information furnished by the exporter being inadequate, the Authority should determine the normal value based on constructed value;
  - i) The petitioner furnished details of export price of NPG electrodes from China on the basis of the data compiled by World Trade Centre;
  - j) The export price from China PR has remained the same over the past three to four years in spite of world-wide phenomenon of increase in the cost of production;
  - k) The petitioner relied upon the preliminary findings to established the injury to the domestic industry,
  - l) The domestic manufacturers are exporting graphite electrodes to survive. The balance sheets of the companies does not reflect the correct position, as the companies are engaged in export activities and other activities not related to production and sale of graphite electrodes;

- m) The customs duties were 40 percent during the investigation period and now have declined to 22 percent. This has adversely affected the domestic industry;
- n) The European Commission, in its findings relating to Tungstic Oxide and Tungstic Acid case held in 1993 that an industry may suffer from material injury despite the fact that it has improved profitability during the reference period, especially when the improvement is not genuine or lasting and the improved profitability may be because of other reasons such as exports undertaken by the domestic industry;
- o) The profitability of the domestic industry should be viewed in the light of the fact that graphite electrodes industry is a highly capital intensive industry involving large outlay of capital;
- p) Inadequate profit margins in case of NPG electrodes and virtually no profit margins in case of UHP electrodes has resulted in inadequate generation of resources for upgradation of technology and maintenance of minimum economic standards.

**C. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

- 3. The importers and exporters have expressed their views, and the same are briefly mentioned below:
  - a) The Authority should approach Central Board of Excise and Customs (CBEC) again and collect authentic import data. In view of varied and diversified nature of the product, the Authority should not consider single normal value and export price for the entire range of the product involved;
  - b) The export price claimed by the petitioner is not correct in case of Ucar. The Authority should determine the export price on the basis of the information provided by Ucar;
  - c) Demand for High Power and UHP electrodes was 9965 MT as on 31.07.97 as against gross capacity of 11490 MT.
  - d) Ucar furnished details of electrodes shipped from each country alongwith size for the investigation period and argued that the total volume of imports claimed at around 2515 MT during 1995 and 1996 by the petitioner is around the double of the exports done by Ucar;
  - e) Loss of production: The Steels scenario in India is extremely bad. Out of nearly 183 electric arc furnaces, 50 percent have closed down and those who are working are operating at 56% efficiency, resulting in decline in the demand for UHP electrodes upto 20" dia.
  - f) It is not established by the petitioner that they can produce UHP electrodes, nor the producers have technology required to produce UHP electrodes. This is established by the very fact that the Indian producers cannot market UHP electrodes at the international prices.

- g) The Indian producers were well protected by the high customs duties and were supplying inferior quality, were raising prices at their will, had poor after-sales services and gave delayed delivery. The anti-dumping duties have been requested by the petitioners to protect themselves against the easy access to international manufacturers.
- h) The international producers have minimum variations in the quality parameters, resulting in consistency. The imported electrodes are longer in length (upto 110") as against Indian produce (72"). The Indian producers sell short length also. The longer the electrode, the better it is.
- i) The imported HP electrodes (by Ucar) are also made using needle calcined petroleum coke (CPC), whereas the Indian producers use different CPC. The Authority's decision to club NPG electrodes and HP electrodes is, therefore, not correct. NPG electrodes and HP are made using different processes and raw materials and should not be put together as same article.
- j) The Authority's observation that "various sizes result from the same technology, processing and raw material" is incorrect. Electrode size depends upon the current carrying capacity. Further, the chemical compositions of different sizes are not same. The electrodes sold by Ucar differs in dimensions, such as length, nipple size, chemical and physical compositions and, therefore, cannot be used interchangeably.
- k) The contention of the Authority that the Ucar has exported the goods from a country other than the country of origin is incorrect. Ucar has exported the goods from the country where it is produced and the same has not been modified in or exported from a different country.
- l) The capacity utilisation of the petitioner declined for the following reasons:
- i) Expansion of capacity: All the three Indian producers have increased their capacity from around 23000 MT (1975) to around 43000 MT (1996) and are expected to reach 54000 MT (1998). At the same time, several units have closed internationally because of excess capacity;
  - ii) Non-availability of power: The three producers have indicated again and again that their production suffered due to non-availability of power;
  - iii) Raw material: Needle coke is not available to the Indian producers, affecting production. This is proved even from the fact that the Indian producers had to import needle coke from Japan.
  - iv) The capacity utilisation of the Indian producers suffered due to its inability to export as per projections.
  - v) The capacity utilisation should be considered in the context of bottlenecks in capacities at various stages of production;
  - vi) There were labour unrest during the investigation period for certain period of time resulting in go-slow which affected the capacity utilisation.

**D. EXAMINATION BY AUTHORITY**

4. The submissions made by the petitioner, exporters, importers and other interested parties have been examined, considered and, wherever appropriate, have been dealt hereinafter.

**E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLES AND DOMESTIC INDUSTRY**

5. Under Rule 2(d) "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such an article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

6. Arguments raised by the interested parties and the examination of the same by the Authority is as under

**Arguments raised:**

- a) There are three types of graphite electrodes, namely NPG electrodes, UHP electrodes, and High Power electrodes. The clubbing of High Power with NPG electrodes done by the Authority is inappropriate, as the two differ in respect of a number of technical parameters. Liaoning Minmetals has argued that their High Power electrodes are equivalent to the NPG electrodes of the Indian industry. The exporter has further argued that the its NPG electrodes differs from Indian NPG electrodes in terms of consumption. The exporter claimed that consumption of its NPG electrodes is higher by 20% compared to consumption of Indian NPG electrodes.

**Authority's position:**

The above contention, in fact, establishes that the high power electrodes are a variation of NPG electrodes. Though the NPG electrodes imported from China PR and produced by the Indian industry differ in terms of some technical parameters, the two are consumed interchangeably, are similar in terms of functions and uses, manufacturing technology, pricing, distribution & marketing and tariff classification. Further, Liaoning Minmetals itself has accepted that its high power is similar to NPG electrodes produced by the Indian industry. The Authority further notes that though the exporter volunteered to furnish its cost of production for high power, the same was not furnished.

**Arguments raised:**

- b) M/s. Engineers International produced evidence in the form of a letter from M/s. Sunflag Iron and Steel Ltd. and argued that the graphite electrodes produced by Ucar is not a like article to the graphite electrodes produced by the domestic industry. The letter produced by Engineers International states, with regard to Ucar's electrodes, that the electrode nipple length is 50 mm more than existing nipple and, therefore, these electrodes (produced by Ucar) cannot be used in conjunction with existing electrodes.

Authority's position:

The Authority observes that the evidence produced by Engineers International, in fact, establishes the claim of the petitioner that the consumers switched their requirements between the overseas and the Indian product. Even if the goods imported from the subject countries and/or goods produced by the Indian producers require minor modifications/ alterations before consumption, as appears from the letter of M/s. Sunflag Iron and Steel Ltd., the test of substitutability is not disproved.

7. The product under consideration which has been investigated for dumping has been defined in the preliminary findings, which is graphite electrodes of the following two types:
  - Ultra High Power grade graphite electrodes (referred to as UHP electrodes);
  - Normal Power grade graphite electrodes, including its variations, High Power grade (referred to as NPG electrodes).
8. In order to establish that the graphite electrodes produced by the domestic industry is a like article to the graphite electrodes exported from the subject countries, the Authority took into account such characteristics as physical characteristics (size, chemical composition, raw materials), manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution & marketing, and tariff classification of the goods.
9. The Authority has compared the characteristics of the UHP graphite electrodes produced by the domestic industry with the characteristics of the UHP graphite electrodes from the subject countries, except China PR to satisfy the test of like article. Similarly, the Authority has compared the characteristics of the NPG graphite electrodes produced by the domestic industry with the characteristics of the NPG graphite electrodes from China PR.
10. The Authority notes that the graphite electrodes produced and sold by the domestic industry has characteristics closely resembling to the graphite electrodes exported from the subject countries, even though some of the factors are not identical.
11. The Authority confirms paras 5 to 9 of the preliminary findings and confirms that NPG electrodes produced by the domestic industry is a like article to NPG electrodes exported from China PR and UHP electrodes produced by the domestic industry is a like article to the UHP electrodes exported by the subject countries excepting China PR within the meaning of the rules supra.

**F. DUMPING**

12. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
  - (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

13. Arguments raised by the interested parties and the examination of the same by the Authority is as under:

Arguments raised:

- I) M/s. Hindustan Produce Company wrote that although all the arguments raised by them were included in the preliminary findings, neither their name nor the name of the exporter represented by them (M/s. Chengdu Machinery Metals & Minerals Import & Export Corpn.) has been included in the preliminary findings.

Authority's position:

The Authority notes that neither Hindustan Produce company, nor its principals have filed any response to the exporter's questionnaire sent by the Authority. Since the exporter has not furnished information requested by the Authority, the Authority has not determined separate dumping margin in respect of the exporter.

- II) Liaoning Minmetals:

Liaoning Minmetals has raised the following arguments:

- a) In China export and import activities are mainly controlled by the foreign trade enterprises, whereas the manufacturers caters to the domestic market. Hence, the exporter has exported the goods which were produced by M/s. Tianjin Jinghai Carbon Plant;
- b) The exporter has not dumped NPG electrodes in India, nor the export price is higher than the cost of production;
- c) The cost of production estimated by the Authority is incorrect. The cost of production depends on the costs of major inputs such as power, calcined petroleum coke and coal tar pitch, which are available in abundance and competitive prices in China;



- d) In case there were any deficiencies in the information furnished by the exporter, the exporter should have been asked to explain.
- e) The exporter volunteered to give a price undertaking in the event of imposition of anti-dumping duty.

Authority's position:

The Authority notes that the exporter has not furnished complete information requested by the Authority. The argument of the exporter that additional information could be called by the Authority from the exporter is not tenable, as it is obligatory on the part of the exporter to furnish complete response to the Authority in the form and manner prescribed and within the time limits laid down by the Authority. The Authority, therefore, considers it appropriate to determine dumping margin with reference to Liaoning Minmetals also on the basis of cost of production constructed for China PR.

With regard to the willingness of the exporter to extend price undertaking, the Authority observes that the exporter has merely extended its willingness to offer price undertaking and has not made any offer in terms of prices at which it was willing to export the goods to India. Since the prices at which the exporter intends to export form the basis for consideration of price undertaking, the option of price undertaking has not been explored by the Authority at this stage.

III) European Union:

The views expressed by European Union are, inter-alia, as under:

Arguments raised:

- a) There are no specific findings with regard to the alleged dumped imports from Belgium, Italy, France, Spain and Austria. The basis of determination of normal value and export price in case of exports from these countries is not clear from the preliminary findings.

Authority's position:

The Authority has given detailed methodology with regard to determination of normal value. In case of exports from these countries by Ucar, normal value has been determined on the basis of normal value in USA. In case of exports by SGL Carbon from these countries, the normal value has been determined on the basis of prices of SGL Carbon in the domestic market in Germany. The detailed methodology adopted for determination of normal value in case of the two exporters has been brought out in these findings and preliminary findings.

Arguments raised:

- b) The dumping margin in case of Italy was determined as "nil", whereas the Authority has recommended anti-dumping duty in case of imports from Italy also.

Authority's position:

It is clarified that the dumping margin in case of Italy determined by the Authority in the preliminary findings was not "nil". The Authority issued a corrigendum on 8th July, 1997 to clarify the position, which was published in the Gazette of India,

Extraordinary. The dumping margin in case of Italy in the preliminary findings was determined as 60%.

**IV) Ucar Inc.**

Ucar International Inc. authorised M/s. Engineers International to attend meetings on their behalf but reserved its right to also present information directly to the Authority.

**Arguments raised:**

- a) The contention of the Authority that Ucar has exported the goods from a country other than country of origin is incorrect. Ucar has exported the goods from the country where it is produced and the same has not been altered or exported from a different country.

**Authority's position:**

The finding of the Authority in para 15 of the preliminary findings that even though Ucar might have produced the electrodes at any of its plant, the exports to India have been made by it from USA is in accordance with the Rules. The Authority is required to determine normal value and export price to determine the existence of dumping. The normal value has to be determined in accordance with the section cited above. The normal value is the comparable price in the "exporting country". The Authority is, therefore, required to give its finding about the country which has been considered as the exporting country for determination of normal value. In the instant case, since sales have been made from USA and Ucar has neither furnished information with reference to exports made from various countries nor claimed separate normal value for each of the country concerned, the Authority considered normal value of the exporter in USA as the normal value in all those countries from Ucar has exported goods. Determination of normal value with reference to the prices prevailing in USA does not imply that there is some alteration done by the exporter in USA or those goods have not been exported to India which were produced in the country of origin.

With regard to export price, the Authority observes that Engineers International furnished, on behalf of Ucar, volume of exports made and size of the electrode exported by it from different countries. The exporter has, however, not furnished export price of different sizes exported by it from different countries. The information furnished by Engineers International, therefore, cannot be relied upon for determination of dumping with reference to the size of electrode. The information has, however, been correlated with the information furnished by the importers, to the extent available, to determine the extent of injury to the domestic industry.

**V) Other Issues:**

With regard to the non-submission of the import data by CBEC, the Authority observes that the primary responsibility for furnishing the information with respect to the export volumes and prices rests with the exporters. The exporters known to be concerned as also the Embassies of the concerned countries were informed by the Authority about the investigations and were requested to make available relevant information. Further, the importers were also requested to furnish, inter-alia, the details of imports made by them. The Authority relied upon the

information furnished by the exporters and importers to the extent necessary and feasible. The Authority is, therefore, in possession of information relating to imports of graphite electrodes in India. Non-receipt of any information from CBEC does not imply that the Authority is not in possession of the sufficient information to arrive at a just and fair decision. Further, contention of the interested party(ies) is factually incorrect to the extent that the Authority has not determined uniform export price and/or normal value for all types of graphite electrodes. The Authority has determined separate normal values and dumping margins in respect of NPG and UHP electrodes for each country under investigation.

13. In view of the foregoing, the Authority confirms the preliminary findings with regard to determination of dumping. The dumping margins comes as under:

SN	Name of the Exporter/Country	Dumping margin (% of export price)
1.	Ucar Inc., USA	45
2.	<u>In case of exports from Germany</u> SGL Carbon, Germany	57
3.	<u>In case of exports from China PR</u> a. Liaoning Metals & Minerals Import & Export Corpn.	75
	b. China National Non Ferrous Metals I/E Corpn.	70
4.	France	93
5.	Italy	60
6.	Austria	88
7.	Spain	56
8.	Belgium	43

G. INJURY

14. Arguments raised by the interested parties and the examination of the same by the Authority is as under

Arguments raised:

- a) The preliminary findings are not specific on profitability of the Indian industry. In spite of increase in selling prices by the Indian industry for both NPG and UHP electrodes, it is difficult to accept that a small decline of 5% in the sales should have resulted in financial loss or loss in profits.
- b) The conclusion with regard to the material injury is not convincing in view of increase in production, selling prices and marginal reduction in sales quantities. The conclusion with regard to threat of material injury appears to be based on conjecture/remote possibility, and the same is not supported by any statistics/figures

Authority's position on (a) and (b) above:

The Authority has given a detailed finding on injury to the domestic industry. The factors which led to determination of threat of material injury have also been brought out in the preliminary findings. The finding of injury to the domestic industry is based on all factors cumulatively and collectively affecting the domestic industry.

Arguments raised:

- c) The Indian industry increased prices of 20" electrodes during the investigation period from Rs. 90000 pmt to Rs. 116000 pmt. No producer who is under the threat of imports can afford to increase the prices and would, in fact, reduce the prices substantially.
- d) It is a general trade practice that an exporter sells at higher prices in the domestic market as compared to export market to get a foothold in such market.

Authority's position on (c) and (d) above:

The argument, in fact, is an acceptance of the fact of dumping by such exporter. The reasons for such dumping are irrelevant. Though the petitioner companies increased their prices, the same were in view of the increase in the cost of production. The increase in the selling prices by the petitioner companies has to be seen with reference to the reduction in the market share of the petitioner companies. As observed in the preliminary findings, the market share of the domestic industry declined sharply from 99% (1992-93) to 72.58% (1995-96), whereas the same increased sharply from 0.96% (1992-93) to 27.42% (1995-96).

Arguments raised:

- e) Considering the preliminary findings that the domestic industry was forced to sell UHP electrodes at losses and the fact that the domestic industry was exporting UHP electrodes at prices lower than the prices in the domestic market, the Indian industry would be making huge losses on the exports also. In such a situation, the share of UHP electrodes in the petitioner companies' production would not be steadily going up. Further, since the Indian industry is making profits on NPG electrodes (as observed by the Authority in the preliminary findings), the share of NPG electrodes would have gone up.

Authority's position:

It would be incorrect to assess the profitability of exports by comparing with the prices at which UHP electrodes is sold in the home market by the Indian companies, without considering the cost of production. Information available with the Authority establishes that the cost of production of the Indian industry is lower for the electrodes produced for exports, as the Indian companies had certain cost advantages in case of exports. The Authority has, however, not investigated the profitability of the petitioner companies from exports, as the same is beyond the scope of the present investigations.

Arguments raised:

- f) Total imports of UHP electrodes constitutes 3.5% of total production of electrodes in the country.

Authority's position:

The comparison of imports of UHP electrodes with the total production of electrodes by the Indian industry is inappropriate. The total imports of electrodes in India from the subject countries are significant with reference to the total consumption of electrodes in India, as brought out in para 41 of the preliminary findings.

Arguments raised:

- g) The preliminary findings establishes that the Indian industry was making profits on sale of NPG electrodes (and, therefore, there is no injury to the domestic industry on NPG electrodes).

Authority's position:

The Authority holds that the domestic industry was selling NPG electrodes at profit in the investigation period. Financial losses to the domestic industry is not a pre-requisite to hold that the domestic industry has suffered injury. All the factors brought out in the preliminary findings, collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury and the imports of NPG electrodes from China PR pose a threat of material injury.

Arguments raised:

- h) Decline in the sales of Indian industry is due to closure of electric arc furnace.

Authority's position:

The claim of the interested parties that the Steel production has gone down in India, resulting in lower demand of graphite electrodes is not disputed. The Authority has, however, given its findings of injury based on, inter-alia, market share of the subject countries and the domestic industry, which takes into account the changes in the demand.

Arguments raised:

- i) Quantum of injury has not been ascertained and it has been assumed that the price differential between the landed price and the sale price in India would represent the extent of injury caused by the imports. Material injury cannot be predicted on such hypothetical assumptions unless a causal relationship is established. Further, if a view is taken to impose the duty, the same should be to the extent where the import prices reflect the normal value, i.e., the normal value minus the landed prices should be the extent of anti-dumping duty which the Authority should recommend.

Authority's position:

The Authority has consistently ascertained the extent of injury to the domestic industry as the difference between the fair selling price (for the domestic industry) and the landed price of imports. Correlation of the normal value with the landed price of imports to assess the extent of injury is not supported by law.

15. With regard to the contention of Liaoning Minmetals that consumption of its NPG electrodes was higher by 20 percent, the Authority notes that the same is relevant for determination of the extent of injury. The Authority further notes that there is

no denial of the claim of Liaoning Minmetals by the petitioner. Though the argument does not establish that the goods produced by the petitioner are not like article to the goods exported by Liaoning Minmetals, it would be necessary to allow price adjustment on account of higher consumption while comparing with the Indian electrodes.

16. The contention that the petitioner cannot produce UHP electrodes is unsubstantiated and without merit, as the petitioner companies produces electrodes which are being sold as UHP electrodes not only in the Indian market but also overseas.
17. Preliminary findings with regard to the injury to the domestic industry is not based on any single parameter, such as production, sales, stocks, etc. affecting the domestic industry. The Authority has very clearly held in the preliminary findings that various indicators relating to the domestic industry, **collectively and cumulatively** establish that the domestic industry has suffered material injury. Since imports from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigation, the injury to the domestic industry has been assessed cumulatively from the imports from these countries in accordance with the conditions specified in Annexure II to the Rules. The arguments of the interested parties that the production or capacity utilisation suffered because of non-availability of power or raw materials (CPC) or bottlenecks in the production or inability to meet the export projections does not establish that the domestic industry has not suffered material injury.

#### H. **CAUSAL LINK**

18. In establishing that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports, the Authority took into account the following factors:
  - i) Reduction in market share of the domestic industry was a direct consequence of the imports from the subject countries;
  - ii) Imports from the subject countries resulted in significant price undertaking in the Indian market;
  - iii) Imports from the subject countries resulted in significant price suppressions in the Indian market, preventing the Indian industry from recovering its price increases.

#### I. **FINAL FINDINGS**

19. The Authority, in view of the foregoing concludes that:
  - NPG electrodes originating in or exported from China PR and UHP electrodes originating in or exported from USA, Austria, France, Germany, Italy, Spain, and Belgium has been exported to India below its normal value;
  - the domestic industry has suffered material injury;

- the injury has been caused to the domestic industry by the exports originating in or exported from the subject countries.

20. The Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duties on all exports of NPG graphite electrodes (including its variation High Power) originating in or exported from China PR and all imports of UHP electrodes originating in or exported from the USA, Austria, France, Germany, Italy, Spain, and Belgium at the rates specified below:

SN.	Products originating in or exported from	Name of exporter/country	Size of the electrode	Amount of Duty (Rs. pmt)
1.	USA, Germany, France, Italy, Austria, Spain, Belgium or China PR	Any exporter	between and including 26" to 30"	NIL
IN CASE OF NORMAL POWER GRADE GRAPHITE ELECTRODES (INCLUDING HIGH POWER)				
2.	People's Republic of China	a.) Liaoning Metals and Minerals Import & Export Corpn.	all sizes upto 24"	5517
		b.) China National Non Ferrous Metals I/E Corpn.	all sizes upto 24"	13114
		c.) Any other exporter	all sizes upto 24"	20818
IN CASE OF HIGH POWER GRAPHITE ELECTRODES				
3.	USA	a.) Ucar Inc.	all sizes upto 24"	20714
		b.) Exporter other than above	all sizes upto 24"	20714
4.	Germany	a.) SGL Carbon AG	24" upto and including 22"	10337 22235
		b.) Exporter other than above	24" upto and including 22"	10337 22235
5.	France	Any exporter	all sizes upto 24"	30997
6.	Italy	Any exporter	all sizes upto 24"	22947
7.	Austria	Any exporter	all sizes upto 24"	28649
8.	Spain	Any exporter	all sizes upto 24"	18427
9.	Belgium	Any exporter	all sizes upto 24"	18220

- 
21. Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 9.6.1997.
  22. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority